N.C.F 2005

NATIONAL CURRICULUM FRAMEWORK

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005

NCF 2005 के अध्यक्ष- प्रोफेसर यशपाल

NCF 2005 के निदेशक - प्रोफेसर कृष्ण कुमार

TOTAL 4 NCF BY NCERT

1st-1975

2nd-1988

3rd-2000

4th-2005

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें ऐसे विषयों पर चर्चा की गई है कि बालकों को क्या और कैसे पढ़ाना चाहिए

- **NCF 2005** की उत्पति रविंद्र नाथ टैगोर के निबंध सभ्यताव और प्रगति से हुआ है
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा– 2005 का अनुवाद संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गयी 22 भाषाओं में किया गया है। और 17 राज्यों के पाठ्यक्रम में लागू किया गया है।

NCF 2005 के उद्देश्य–

- **NCF 2005** का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय एकता का विकास करना है मातृभाषा को उचित स्थान देकर भाषाई समस्या का समाधान करना.
- छात्रों में अध्ययन के प्रति रूचि का विकास करना.
- इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है,उन्हें स्कूली शिक्षा से जोड़ना
- शिक्षण विधियों का विकास करना, जैसे खेल विधि, व्याख्यान विधि, कथन विधि का विकास हो.
- नवीन सोच, तर्क, क्षमता, चिंतन आदि विकसित करना
- विद्यार्थियों में प्रेम, सहयोग, दान, परोपकार जैसे मानवीय मूल्यों का विकास हो.
- **NCF** 2005 बालकों के मूल्यांकन के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पर बल देती है

▪ राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के पाँच मार्गदर्शी सिद्धांत

1.ज्ञान को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ा जाए ज्ञान को केवल स्कूली ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाए. स्कूल के बाहर के वातावरण से ज्ञान को जोड़ा जाए

2.पढाई को रटंत प्रणाली से मुक्त रखा जाए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा 2005 का यह सिद्धांत बच्चों के पढ़ाई को रटंत प्रणाली से दूर रखना है. बच्चों को रटने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए. समझने के लिए बच्चों को उत्सुक किया जाए. बच्चों को करके सीखने पर बल दिया जाए. जैसे , बच्चों को प्रोजेक्ट कार्य, करने के लिए प्रोत्साहित करें

3. पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम केन्द्रित न हो पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम केन्द्रित नहीं होना चाहिए और न ही शिक्षक केन्द्रित होना चाहिए. पाठ्यचर्या बाल केन्द्रित होना चाहिए. पाठ्यचर्या बच्चों के अनुसार होना चाहिए, जो बच्चे पढने में रूचि रखते हैं. जिस विषय के बारे में बच्चे पढ़ना चाहते हैं

4.कक्षा–कक्ष को गतिविधियों से जोड़ा जाए स्कूल में दी जाने वाली शिक्षा को विभिन्न गतिविधियों से जोडा जाए. जैसे अगर आप कक्षा में 'वन संरक्षण' विषय के बारे में पढ़ा रहे हैं. तो आप बच्चों को पेड़ लगाने के लिए बोले. बच्चा स्वयं पेड़ लगाएगा, तो वह पेड़ में प्रतिदिन पानी डालेगा. उस पेड़ का संरक्षण करेगा. इससे बच्चा पेड़ के संरक्षण के बारे में अच्छे से समझ जायेगा

5.राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति आस्थावान विद्यार्थी तैयार किया जाए बच्चों में नैतिकता का विकास किया जाए. बच्चों को नैतिक शिक्षा के बारे में बताया जाए. राष्ट्रीय मूल्यों के बारे में कक्षा में बताया जाए

▪ राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रुपरेखा 2005 के प्रमुख सुझाव

- **NCF 2005** के अनुसार प्राथमिक स्तर में शिक्षण कार्य की भाषा मातृभाषा होना चाहिए.
- अभिभावकों को समझया जाए कि बच्चों को छोटी उम्र में निपुण बनाने की इच्छा न रखे. क्योंकि बच्चा उम्र के साथ ही निपुण हो सकता है
- मोटी किताबें शिक्षा प्रणाली की असफलता का प्रतीक है.
- विद्यार्थियों को दी जाने वाले शिक्षा में शिक्षण सूत्र जैसे, ज्ञात से अज्ञात की ओर, मूर्त से अमूर्त का प्रयोग करें.
- बच्चों को पुस्तकालय में स्वयं पुस्तक चुनने का अवसर दें.
- सजा व पुरस्कार की भावना को सीमित रूप से प्रयोग किया जाए.
- **NCF 2005** बिना बोझ के शिक्षा पर जोर देता है.
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मनोरंजन के स्थान पर सौन्दर्य बौद्ध को बढ़ावा दें.

- किसी भी प्रकार की सूचना को ज्ञान मानने से बचें.
- सह–शैक्षिक गतिविधियों में विद्यार्थी के अभिभावकों को शामिल किया जाए. इससे अभिभावक को बच्चे के ज्ञान के बारे में जानकारी मिलेगा.
- कक्षा–कक्ष बाल केन्द्रित हो. बालकों के चहुमुखी विकास पर आधारित पाठ्यक्रम हो.
- समावेशी शिक्षा पर बल दिया जाए.
- विशिष्ट बालक और सामान्य बालक दोनों को एक साथ समावेशी कक्षा में पढाया जाए
- शिक्षा को व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ा जाये। सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही छात्रों को सीमित न रखा जाये।
- छात्रों को शिक्षा उनकी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में दी जाये।
- शिक्षा को रटंत प्रणाली से मुक्त कर रोचक बनाया जाये जिससे बच्चों को शिक्षा बोझ की तरह न लगे।
- परीक्षा व आकलन को लचीला बनाया जाये।
- शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाये।
- बच्चों को भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान के साथ–साथ कला जैसे संगीत, नृत्य, गायन, वादन आदि से भी जोड़ा जाये।

NCF 2005 पाँच विधियों पर बल देता हैं!

1.करके सीखने वाली विधि
2.निरीक्षण करके सीखना
3.परीक्षण करके सीखने वाली विधि
4. सामूहिक विधि
5.मिश्रित विधि